Pg-1

# 4 शब्द-निर्माण : उपसर्ग और प्रत्यय
## (Prefix and Suffix)

### उपसर्ग (Prefix)

***वे शब्दांश जो शब्दों के पहले जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।***

जैसे:

सुरेश रामलाल जी का सुपुत्र है। वह अपने पिता से अत्यधिक प्रेम करता है। सुरेश का भाई रोहित रामलाल जी का कुपुत्र साबित हुआ। वह अपने पिता की तिजोरी में से पैसे लेकर भाग गया। सुरेश ने प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने पिता का साथ नहीं छोड़ा।

उपर्युक्त गद्यांश में आए रंगीन शब्दों सुपुत्र, अत्यधिक, कुपुत्र और प्रतिकूल का निर्माण निम्न प्रकार से हुआ:

| शब्दांश | | | | शब्द |
|---|---|---|---|---|
| सु | + | पुत्र | = | सुपुत्र |
| अति | + | अधिक | = | अत्यधिक |
| कु | + | पुत्र | = | कुपुत्र |
| प्रति | + | कूल | = | प्रतिकूल |

ऊपर दिए गए वाक्यों में पुत्र शब्द के आगे सु और कु; अधिक शब्द के आगे अति और कूल शब्द के आगे प्रति शब्दांशों के जुड़ने से सुपुत्र, कुपुत्र, अत्यधिक और प्रतिकूल नए शब्दों का निर्माण हुआ है तथा इनके अर्थों में परिवर्तन आ गया है। मूल शब्दों के पहले जुड़े ये शब्द उपसर्ग कहलाते हैं।

### उपसर्ग के प्रकार

**हिंदी में चार प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग किया जाता है:**

1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. विदेशी उपसर्ग
4. उपसर्ग की तरह प्रयोग किए जाने वाले संस्कृत के अव्यय

#### 1. संस्कृत के उपसर्ग

| उपसर्ग | उदाहरण |
|---|---|
| अ | असत्य, अमर, अज्ञान, अहिंसा, अकर्मण्य, अधर्म। |
| अन् | अनर्थ, अनधिकार, अनंत, अनावश्यक, अनादि। |
| अति | अत्यधिक, अतिरिक्त, अत्याचार, अतिक्रमण। |
| अधि | अधिकरण, अधिपति, अधिकार। |

| उपसर्ग | उदाहरण |
|---|---|
| अनु | अनुक्रिया, अनुकथन, अनुकरण, अनुमान, अनुक्रमांक |
| अप | अपमान, अपयश, अपहरण, अपवाद, अपकार |
| अव | अवहेलना, अवगुण, अवनत, अवतरण, अवधारणा |
| आ | आकर्षक, आगमन, आजन्म, आहार, आपूर्ति, आमरण, आकंठ |
| उत् | उत्तेजक, उत्थान, उत्पात, उत्साह |
| उप | उपकार, उपग्रह, उपनाम, उपराष्ट्रपति, उपकरण, उपसर्ग |
| दुर् | दुराचार, दुर्गम, दुर्घटना, दुर्बल, दुराग्रह, दुर्वचन |
| नि | निदान, निबंध, नियम, नियोजक, निवेश, नियंत्रण |
| निर् | निर्दोष, निर्भर, निर्मम, निर्मल, निर्गुण, निर्विवाद |
| परा | पराजय, पराक्रम, पराधीन, पराभव, परामर्श, पराकाष्ठा |
| प्रति | प्रतिमास, प्रतिक्रिया, प्रतिशोध, प्रतिदिन, प्रतिध्वनि, प्रतिकूल, प्रतिबिंब |
| वि | विशेष, विज्ञान, विपक्ष, विकार, वियोग, विजय, विसर्ग |
| सम्(सं) | संकल्प, संगीत, संतोष, संचय, संवाद, संबंध, सम्मेलन, सम्मोहन, सम्मान |
| स | सक्षम, सजीव, सनाथ, सपरिवार, सफल, सरस, सकर्मक |
| सु | सुअवसर, सुगंध, सुसज्जित, सुलेख, सुशील, सुप्रसिद्ध |
| स्व | स्वतंत्र, स्वछंद, स्वराज |

2. हिंदी के उपसर्ग

| उपसर्ग | उदाहरण |
|---|---|
| अ | अकाल, अभाव, अचेत, अबला, अछूत, अमंगल |
| अध | अधमरा, अधजला, अधपका, अधखिला |
| अन | अनगिनत, अनजान, अनपढ़, अनमोल, अनकही, अनहोनी |
| उन | उनचास, उनासी, उनसठ, उनहत्तर |
| औ | औगुन, औघड़ |
| क/कु | कपूत, कुचाल, कुलक्षण, कुप्रथा, कुरूप, कुकर्म, कुजाति |
| ति | तिमाही, तिरंगा, तिकोना, तिपाई, तिकड़ी |
| दु | दुबला, दुनाली, दुपहरी, दुगुना |
| नि | निडर, निहत्था, निकम्मा |
| पर | परनाना, परदादा, परलोक, परदेसी |
| भर | भरमार, भरसक, भरपूर, भरपेट |
| स/सु | सजल, सजग, सरस, सहित, सुपुत्र, सुअवसर |
| चौ | चौराहा, चौपाया, चौमासा, चौगुना |

3. विदेशी उपसर्ग

| उपसर्ग | उदाहरण |
|---|---|
| सर | सरकार, सरताज, सरगना। |
| अल | अलविदा, अलबत्ता। |
| सब | सब-डिविज़न, सब-इंस्पेक्टर। |
| डिप्टी | डिप्टी-कमांडर, डिप्टी-इंस्पेक्टर, डिप्टी-कलक्टर। |
| हेड | हेडपोस्टमास्टर, हेडकांस्टेबल, हेडमास्टर, हेडलाइट। |
| वाइस | वाइस-चीफ़, वाइस-चांसलर, वाइस-प्रेसीडेंट। |
| ऐन | ऐनवक़्त, ऐनमौका। |
| ग़ैर | ग़ैरज़िम्मेदार, ग़ैरकानूनी, ग़ैरहाज़िर। |
| कम | कमबख्त, कमज़ोर, कमसिन। |
| दर | दरअसल, दरकिनार। |
| खुश | खुशकिस्मत, खुशमिजाज़, खुशहाल। |
| ना | नाकाम, नाज़ायज, नापाक, नाबालिग। |
| ब | बखूबी, बगैर। |
| बा | बाइज़्ज़त, बावजूद। |
| हर | हरदम, हरएक, हरजगह। |
| बे | बेदाग, बेवक्त, बेचारा, बेसुरा |
| बद | बदनाम, बदहाल, बदसूरत, बदकिस्मत |
| ला | लापता, लाजवाब, लापरवाह |

4. उपसर्ग की तरह प्रयोग किए जाने वाले संस्कृत के अव्यय

| संस्कृत के अव्यय | उदाहरण | संस्कृत के अव्यय | उदाहरण |
|---|---|---|---|
| अ | अभाव, अकाल, अशोक | बहिस् | बहिष्कार, बहिर्गमन |
| अंत: | अंत:करण, अंत:पुर | सत् | सज्जन, सद्गति |
| अंतर् | अंतर्मन, अंतर्राष्ट्रीय | सम | समकोण, समकालीन |
| अध: | अधोपतन, अधोगति | सह | सहचर, सहपाठी |
| चिर | चिरकाल, चिरजीवी | स्व | स्वतंत्र, स्वदेश |
| पुनर् | पुनर्जन्म, पुनर्जागरण | | |

Pg. 4

### संज्ञा बनाने वाले कृत प्रत्यय

| धातु | प्रत्यय | उदाहरण |
|---|---|---|
| रट, गढ़ | अंत | रटंत, गढ़ंत |
| भूल, बूझ | अक्कड़ | भुलक्कड़, बुझक्कड़ |
| घेर, झेल, ठेल | आ | घेरा, झेला, ठेला |
| पाठ, सहाय, धाव | अक | पाठक, सहायक, धावक |
| रच, बस | ना | रचना, बसना |
| कम, पिट, चढ़ | आई | कमाई, पिटाई, चढ़ाई |
| तैर, फट | आक | तैराक, फटाक |
| लग, उठ | आन | लगान, उठान |
| कट, भर, पड़, ठहर | आव | कटाव, भराव, पड़ाव, ठहराव |
| लिख, बन, गिर | आवट | लिखावट, बनावट, गिरावट |
| मुसकरा, घबरा | आहट | मुसकराहट, घबराहट |

### विशेषण बनाने वाले कृत प्रत्यय

| धातु | प्रत्यय | उदाहरण |
|---|---|---|
| कथ, निंद | अनीय | कथनीय, निंदनीय |
| लड़, पढ़ | आकू | लड़ाकू, पढ़ाकू |
| झगड़, दया | आलू/आलु | झगड़ालू, दयालु |
| छल | इया | छलिया |
| मर, सड़ | इयल | मरियल, सड़ियल |
| लूट | एरा | लुटेरा |
| गा, गढ़ | ऐया | गवैया, गढ़ैया |

2. तद्धित प्रत्यय–जो प्रत्यय क्रिया को छोड़कर संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या अव्यय के अंत में जुड़कर न शब्दों की रचना करते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं; जैसे:

| मूल शब्द | प्रत्यय | उदाहरण |
|---|---|---|
| बुरा, भला, चतुर | आई | बुराई, भलाई, चतुराई |
| उपज, ऊब | आऊ | उपजाऊ, ऊबाऊ |
| साल, रोज | आना | सालाना, रोज़ाना |
| देवर, सेठ | आनी | देवरानी, सेठानी |
| सोना, लोहा | आर | सुनार, लुहार |